>

Title: Need to review the proposed setting up of sewage treatment plant at Sathawan, Varanasi, Uttar Pradesh keeping in view its potential adverse impact on the ecology of the area.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): उत्तर प्रदेश के जनपद वाराणसी स्थित सथवाँ सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण के लिए आसपास के आधा दर्जन से ज्यादा गांवों के किसानों की उपजाऊ भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, जिससे वहां के किसानों में आक्रोश व्याप्त हो गया है और वे बड़े पैमान पर आंदोलन और प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रस्तावित सथवाँ ट्रीटमेंट प्लांट के आसपास ही सारनाथ बौद्ध धर्म की स्थली तथा कई राष्ट्रीय स्मारक व संग्रहालय स्थित हैं जहां पर प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में बौद्ध भिक्षुक एवं विदेशी पर्यटक आते रहते हैं। इसी सथवाँ के पास मुन्शी प्रेमचंद राष्ट्रीय साहित्यकार की जन्मस्थली भी है, जिसका सौन्दर्यीकरण किया जा रहा है। मुंशी प्रेमचंद जी की जन्मस्थली पर प्रतिवर्ष देश के महान साहित्यकार एवं रचनाकार घूमने के लिए आते हैं। यहां का पर्यावरण काफी शुद्ध व पर्यटन के दृष्टिकोण से बहुत ही सुंदर है। जनपद वाराणसी के दीनापुर में पहले से ही एक सीवर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया गया है जो कार्यरत है। इस सीवर प्लांट के लगाये जाने से निकलने वाले पानी को सिंचाई के लिए उपलब्ध कराये जाने से फसल के उत्पादन तथा फल-सब्जियों पर बड़े पैमाने पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उन सब्जियों और फलों को खाने से जनता में कई गंभीर बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। इस प्लांट के लगने से आसपास के क्षेत्र में दूषित पानी लोगों को पीने के लिए मिल रहा है। भूजल में बड़े पैमाने पर पानी दूषित हो रहा है। सीवर के निर्माण से कई प्रकार की गंदगियां, बीमारियां तथा बड़े पैमाने पर मच्छर-मक्खियों की संख्या असपास के क्षेत्र में बढ़ रही है, जिससे आसपास के रहने वाले लोगों के जीवन को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। जिसका विरोध यहां के नागरिकों द्वारा किया गया, जिससे सीवर प्लांट का पानी सिंचाई के लिए बंद कर दिया गया परन्तु पर्यावरण अभी भी दूषित हो रहा है। यदि सथवाँ सीवर प्लांट को लगाया गया तो यहां के लोगों के जीवन स्तर पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, खेती बर्बाद हो जायेगी तथा यहां के लोगों को तरह-तहर की बीमारियों से गुजरना पड़ेगा।

अतः सदन के माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त विषम स्थिति एवं जनता के हित को देखते हुए सथवाँ सीवर प्लांट के लिए की जा रही किसानों की सैंकड़ों हैक्टेयर उपजाऊ और कृषि योग्य भूमि का अधिग्रहण न किया जाये। प्रस्तावित सीवर ट्रीटमेंट प्लांट को ऐसे स्थान पर लगाया जाये जो ऊसर एवं बंजर हो तथा घनी आबादी से दूर हो।